Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding inclusion of Bhojpuri, Bhoti and Rajasthani in Eight Schedule of the Constitution.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अध्यक्ष जी, मैं आपका बहुत आभारी हूं । जैसा कि आपने उल्लेख किया कि असाधारण परिस्थितियों में सदन का यह सत्र हो रहा है, लेकिन इन माननीय सदस्यों की सुरक्षा के लिए जो अभूतपूर्व व्यवस्था आपने की है, उसके लिए मैं पूरे सदन की तरफ से आपको बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं । भविष्य में जब इस कोविड-19 की चुनौतियों की चर्चा होगी तो निश्चित तौर पर पूरे विश्व में इसकी चर्चा होगी । अगर किसी समय की या संवैधानिक बाध्यता के लिए इस सदन का सत्र होता तो जैसे विधान सभाएं एक या दो दिनों के लिए बुलाई जा रही हैं, ऐसा होता, लेकिन हमारी सरकार इस सत्र के 18 कार्य दिवसों में देश की जनता से जुड़े हुए 25 विधेयकों को पारित कराने का काम करेगी । आप देश की ज्वलंत समस्याओं पर सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष, सबको बोलने का अवसर दे रहे हैं, तो जब भी भविष्य में कोविड-19 की चर्चा होगी तो इसके लिए भी इस सदन को याद किया जाएगा ।

ऐसे दिन आपने सत्र का पहला दिन शुरू किया है जब पूरे देश में हिन्दी दिवस मनाया जाता है । आज 14 सितम्बर है । यह भी अपने आपमें एक संयोग है कि आपने इस सदन को आज 'हिन्दी दिवस' के दिन शुरू किया है । आज आपने एक बड़ी बात कही कि भारत की जो अन्य भाषाएँ हैं, उन्हें भी समृद्ध किया जाए, उनकी उन्नति के लिए काम किया जाए ।

अध्यक्ष जी, इससे बेहतर अवसर नहीं हो सकता, जब मैं भारत की ऐसी तीन भाषाओं के बारे में कहूं, जो केवल भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में बोली जाती है । आज 16 देशों में लगभग 20 करोड़ लोग भोजपुरी बोलते हैं, चाहे वह मॉरीशस हो, त्रिनिदाद एवं टोबैगो हो या गुयाना हो ।

आज जब आपकी भाषा राजस्थानी को नेपाल की संविधान सभा मान्यता देती हो, जब भूटान भोटी को मान्यता देती हो तो यकीनन देश के 130 करोड़ लोगों के लिए यह गौरव की बात है कि भारत की तीन भाषाओं को आज अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है ।

महोदय, आज हमारे शिक्षा मंत्री जी और संसदीय कार्य मंत्री जी मौजूद हैं । मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि यह सबसे उचित अवसर होगा कि भोजपुरी, राजस्थानी और भोटी को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाए । मॉरीशस की पहल पर गीत-गवई को यूनेस्को से एक विश्व सांस्कृतिक पहचान की दर्जा मिली है । इसको भारत की संसद भी सम्मानित करेगी । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष : श्री मलूक नागर, श्री प्रताप सिम्हा, श्री गोपाल शेट्टी, श्रीमती रेखा वर्मा, कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, डॉ. निशिकांत दुबे तथा श्री सी.पी.जोशी को श्री जगदम्बिका पाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।